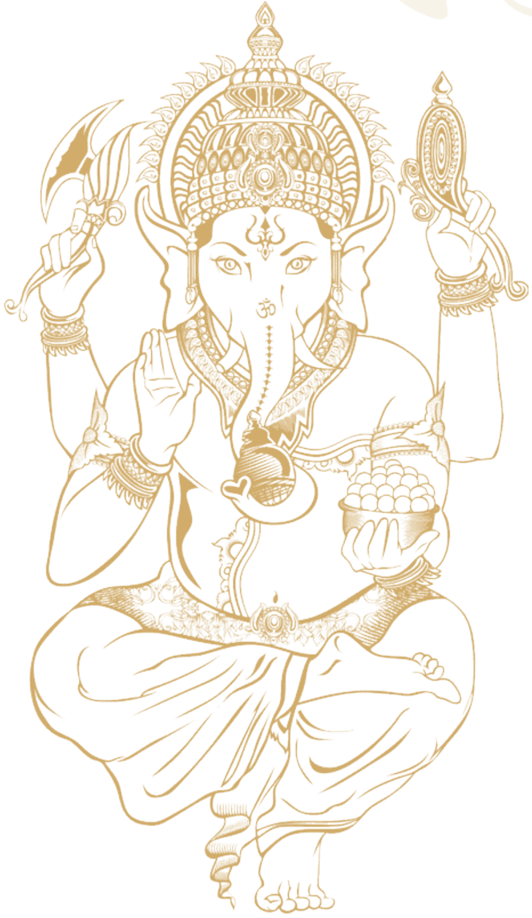

Shaurya

22 Jan 2026

07:49 PM

Pali Marwar

Model: Baby-Horoscope

Order No: 121038801

तिथि 22/01/2026 **समय** 19:49:00 **वार** गुरुवार **स्थान** Pali Marwar **चित्रपक्षीय अयनांश** : 24:13:23
अक्षांश 25:46:00 उत्तर **रेखांश** 73:26:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:36:16 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	03:20:31 घं
वेलान्तर	00:11:31 घं
सूर्योदय	07:23:48 घं
सूर्यास्त	18:12:09 घं
चैत्रादि संवत	2082
शक संवत	1947
मास	माघ
पक्ष	शुक्ल
तिथि	4
नक्षत्र	पू०भाद्रपद
योग	परिघ
करण	विष्टि

अवकहड़ा चक्र

गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	से-सेनजित
पाया(रा.-न.)	ताम्र-लौह
होरा	चंद्र
चौघड़िया	अमृत

विंशोत्तरी

गुरु 12वर्ष 5मा 14दि

गुरु

22/01/2026
08/07/2038

	22/01/2026
शनि	09/03/2027
बुध	14/06/2029
केतु	21/05/2030
शुक्र	19/01/2033
सूर्य	07/11/2033
चन्द्र	09/03/2035
मंगल	13/02/2036
राहु	08/07/2038

योगिनी

भ्रामरी 3वर्ष 1मा 11दि

भ्रामरी

22/01/2026
05/03/2029

	22/01/2026
भद्रिका	05/03/2026
उल्का	04/11/2026
सिद्धा	15/08/2027
संकटा	04/07/2028
मंगला	14/08/2028
पिंगला	03/11/2028
धान्या	05/03/2029

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			00:12:09	सिंह	मघा	1	केतु	केतु	---	0:00			
सूर्य			08:20:46	मक	उत्तराषाढ़ा	4	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि	1.07	पुत्र	पितृ	साधक
चंद्र			22:57:08	कुंभ	पू०भाद्रपद	1	गुरु	शनि	सम राशि	1.70	अमात्य	मातृ	जन्म
मंगल		अ	05:09:42	मक	उत्तराषाढ़ा	3	सूर्य	बुध	उच्च राशि	1.06	ज्ञाति	भ्रातृ	साधक
बुध		अ	08:58:17	मक	उत्तराषाढ़ा	4	सूर्य	शुक्र	सम राशि	0.86	मातृ	ज्ञाति	साधक
गुरु	व		24:15:56	मिथु	पुनर्वसु	2	गुरु	बुध	शत्रु राशि	1.33	आत्मा	धन	जन्म
शुक्र		अ	12:08:46	मक	श्रवण	1	चंद्र	राहु	मित्र राशि	0.94	भ्रातृ	कलत्र	वध
शनि			03:32:20	मीन	उ०भाद्रपद	1	शनि	शनि	सम राशि	1.18	कलत्र	आयु	सम्पत
राहु			15:07:34	कुंभ	शतभिषा	3	राहु	केतु	मित्र राशि		---	ज्ञान	अतिमित्र
केतु			15:07:34	सिंह	पू०फाल्गुनी	1	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि		---	मोक्ष	प्रत्यारि

लग्न-चलित

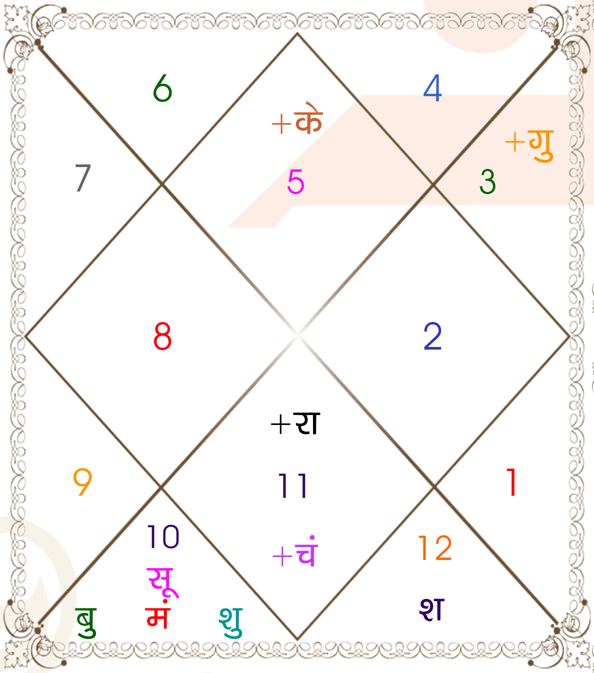

चन्द्र कुंडली

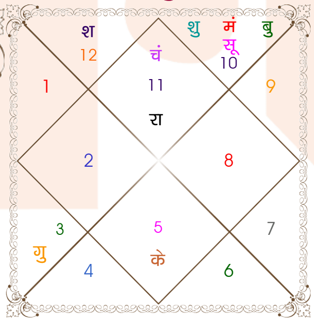

नवमांश कुंडली

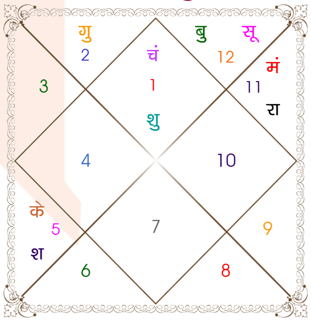

सर्वाष्टकवर्ग

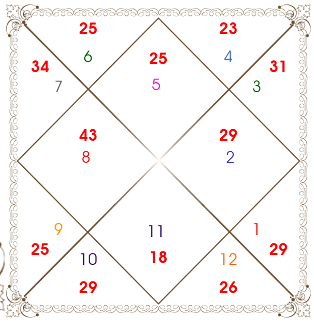

दशमांश कुंडली

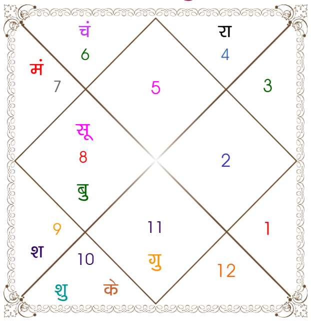

Shree Shree 1008 Mahamandleshwar Paramhans Daati Maharaj
Shri Sidh Shakti Peeth Shanidham Trust
Shree Shani Tirth Kshetra Asola, Fatehpur Beri, Chhatterpur, New Delhi 110074

+919871964972, +919815392377, +919116141210, +919116141211
www.shanidham.org, www.facebook.com/shreeshanidham, www.daati.com
Saturnpublicatins@gmail.com

नक्षत्रफल

आप पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र के प्रथम चरण में उत्पन्न हुए हैं। अतः आपकी जन्मराशि कुम्भ तथा राशिस्वामी शनि होगा। नक्षत्रानुसार आपका गण मनुष्य, वर्ग मेष, नाड़ी आद्य, योनि सिंह तथा वर्ण शूद्र होगा। नक्षत्र के प्रथम चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रारम्भ "से" या "सै" अक्षर से होगा यथा- शेरसिंह आदि।

आप एक जितेन्द्रिय पुरुष होंगे तथा इन्द्रियों को वश में करने में पूर्ण रूप से सक्षम रहेंगे। आप विविध प्रकार की कलाओं व कार्यों को सम्पन्न करने में समर्थ एवं निपुण रहेंगे अतः समाज में आप पूर्ण रूप से आदरणीय तथा सम्माननीय रहेंगे। शत्रुओं को नष्ट करने एवं उन पर विजय प्राप्त करने में आप को नित्य सफलता अर्जित होती रहेगी। साथ ही आप की बुद्धि अत्यन्त ही तीव्र रहेगी एवं आपके अधिकांश कार्य बुद्धिमता पूर्ण ढंग से सम्पन्न होंगे। अतः आपका जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा।

जितेन्द्रियः सर्वकलासु दक्षो जितारिपक्षः खलु यस्य नित्यम्।
भवेन्मनीषा सुतरामपूर्वा पूर्वादिका भाद्रपदा प्रसूतौ।।
जातकाभरणम्

अर्थात् पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र में उत्पन्न जातक जितेन्द्रिय, समस्त कलाओं में निपुण, शत्रुपक्ष को जीतने वाला तथा बुद्धिमान होता है।

जीवन में यदा कदा आप हृदय से दुःख की भी अनुभूति करेंगे। साथ ही स्त्री से आप पराजित रहेंगे एवं पूर्ण रूप से उसके वश में रहेंगे तथा कोई सांसारिक कार्य उसकी आज्ञा या निर्देश के बिना सम्पन्न नहीं करेंगे। धन सम्पत्ति से आप सदैव सुसम्पन्न रहेंगे तथा जीवन में सुखपूर्वक उसका उपभोग करेंगे। इसके साथ ही आप एक चतुर तथा विद्वान पुरुष भी रहेंगे परन्तु आप की प्रवृति कृपणता से युक्त रहेगी अतः इससे समय समय पर अन्य लोग आपसे अप्रसन्न रहेंगे।

भाद्रपदासूद्विग्नः स्त्रीजितधनी पटुरदाता च।।
बृहज्जातकम्

अर्थात् पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र में उत्पन्न मनुष्य हृदय से दुःखी, स्त्री के वश में रहने वाला, धनवान चतुर पीड़ित तथा कृपण स्वभाव का होता है।

आप अपने सम्भाषण में प्रायः साहसिक तथा ओजस्वी वाणी का उपयोग करेंगे। जिससे सभी सामाजिक जन आपसे प्रभावित रहेंगे एवं आपको हार्दिक सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। साथ ही आप हमेशा भय से भी व्याकुल रहेंगे लेकिन अन्य सामाजिक जनों से आपका अत्यन्त ही मधुर एवं स्नेह युक्त व्यवहार रहेगा।

पूर्वप्रोष्ठपदि प्रगल्भवचनो धूर्तोभयार्तो मृदुः।।

जातक परिजातः

अर्थात् पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में पैदा होने वाला पुरूष साहस एवं ओजस्वी वाणी बोलने वाला, धूर्त, भय से व्याकुलता प्राप्त करने वाला तथा मृदुस्वभाव का होता है।

भाषण देने की कला में आप निपुण रहेंगे तथा समाज में एक श्रेष्ठ वक्ता के रूप में आपका प्रभाव रहेगा एवं सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। आपका जीवन सामान्यतया सुख पूर्वक व्यतीत होगा तथा सुख संसाधनों का अभाव नहीं रहेगा। आप परिवार से युक्त रहेंगे एवं सर्वत्र मान सम्मान अर्जित करने में सफल रहेंगे। लेकिन आपको नींद अधिक मात्रा में आएगी अतः आप में आलस्य का प्रभाव भी रहेगा। अतः इसके कारण कई बार आप की किसी भी कार्य को सम्पन्न करने की इच्छा भी नहीं होगी।

वक्ता सुखीप्रजायुक्तो बहुनिद्रोनिरर्थकः।
पूर्वभाद्रपदायां च जातो भवति मानवः।।
मानसागरी

अर्थात् पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र में उत्पन्न जातक श्रेष्ठ वक्ता, सुखी, सम्मान वाला, अधिक नींद वाला तथा स्वयं किसी कार्य के योग्य नहीं होता है।

आपका जन्म ताम्रपाद में हुआ हैं। आप जीवन में धन धान्य से पूर्ण रूपेण सम्पन्न रहेंगे तथा श्रेष्ठ एवं गुणवान स्त्री को पत्नी के रूप में प्राप्त करेंगे। आप बहुमूल्य रत्नों तथा सोना चांदी आदि मूल्यवान धातुओं से भी सुसम्पन्न रहेंगे। देखने में आप का शरीर सुन्दर एवं स्वस्थ रहेगा। आप एक विद्वान पुरूष रहेंगे तथा चल अचल सम्पत्ति से भी आप युक्त रहेंगे एवं जीवन में प्रसन्नतापूर्वक विभिन्न सुखसंसाधनों का आप नित्य उपभोग करते रहेंगे। आपकी सन्ततियां सुन्दर एवं गुणवान होंगी तथा आपका पारिवारिक जीवन अत्यन्त ही सुख से व्यतीत होगा। आपका अन्य लोग से मधुर एवं सुशील व्यवहार रहेगा।

कुम्भ राशि में उत्पन्न होने के कारण आप की नासिका उन्नत होगी तथा मुख एवं मस्तक का आकार भी विस्तृत रहेगा। साथ ही आपके हाथ, पैर एवं कमर में स्थूलता रहेगी। आपके शरीर में कोमलता का अभाव होगा लेकिन इससे आपके शारीरिक सौन्दर्य एवं आकर्षण पर कोई विशेष प्रभाव नहीं रहेगा। आप में कोध की भी अधिकता रहेगी तथा समय समय पर आप इसका भी प्रदर्शन करते रहेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी। साथ ही आप आलसी भी होंगे, शिल्प विद्या या चित्रकारी के प्रति आपकी तीव्र रूचि रहेगी तथा इस क्षेत्र में आप विशेष सफलता तथा ख्याति भी प्राप्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त यदा कदा आप मानसिक रूप से कष्टानुभूति भी प्राप्त करेंगे।

उद्घोणो रूक्षदेहः पृथुकरचरणो मद्यपान प्रसक्तः।
सद्द्वेष्यो धर्महीनः परसुतजनकः स्थूलमूर्धाकुनेत्रः।।
शाठ्यालस्याभिभूतो विपुलमुखकटिः शिल्पविद्या समेते।
दुःशीलो दुःखतप्तो घटभमुपगते रात्रिनाथे दरिद्रः।।

सारावली

आपको नाना प्रकार के शास्त्रों का विस्तृत ज्ञान रहेगा एवं एक विद्वान के रूप में आप समाज में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। साथ ही विभिन्न प्रकार के कार्यो को करने में भी आप प्रवीण होंगे। आप नैसर्गिक रूप से शान्त प्रवृति के व्यक्ति रहेंगे तथा उग्र एवं हिंसक भावों का आप में अभाव रहेगा। इसके साथ ही शत्रुपक्ष आपसे सर्वदा पीड़ित तथा भयभीत रहेगा।

अलसता सहितोनयसुतप्रियः कुशलताकलितोळति विचक्षणः।
कलशगामिनि शीतकरे नरः प्रशमितः शमितोरूरिपुव्रजः।।
जातकाभरणम्

आपकी प्रवृति दुष्कर्मो की ओर भी प्रवृत होगी अथवा आप प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इन कार्यों में अपना सहयोग प्रदान करेंगे। आप घूमने फिरने तथा यात्रादि करने में भी सर्वदा रूचिशील रहेंगे एवं इनमें अपना अधिकांश समय इसी पर व्यतीत करेंगे। दूसरे के धन के प्रति आपके मन में लालच का भाव रहेगा एवं उनको प्राप्त करने के लिए आप हमेशा यत्नशील रहेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति में निरन्तर उतार चढाव आते रहेंगे। इसके साथ ही सुगन्धित पदार्थो को आलेपन करने तथा सुगन्धित पुष्पों में भी आपकी रूचि एवं आकर्षण रहेगा तथा इसका आप उपयोग करते रहेंगे।

प्रच्छन्नपापो घटतुल्य देहो विघातदक्षोळध्वसहो डवित्तः।
लुब्धः परार्थी क्षयवृद्धि युक्तो घटोद्भवः स्यात्प्रियगन्धपुष्पः।।
फलदीपिका

आप समाज में श्रेष्ठ विद्वान होंगे तथा आदरणीय भी रहेंगे लेकिन अन्य विद्वानों को यथोचित आदर सत्कार प्रदान नहीं करेंगे। अतः अधिकांश भद्रलोग आपसे अप्रसन्न रहेंगे। साथ ही कभी कभी आप उग्रता का भी प्रदर्शन करेंगे।

कुम्भस्थे गतशीलवान बुधजनद्वेषी च विद्याधिको।
जातक परिजातः

आप जीवन में सर्वत्र विजय एवं सफलता अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगे। आप एक अच्छे आचरण के व्यक्ति होंगे अतः अन्य लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। धन वैभव के अभाव की आपको अल्प मात्रा में ही अनुभूति होगी अन्यथा इससे युक्त ही रहेंगे। गुरूजनों तथा श्रेष्ठ लोगों के प्रति आप के मन में असीम श्रद्धा का भाव रहेगा तथा उनके सेवा सहयोग कार्य के लिए आप निरन्तर तत्पर रहेंगे। महिला वर्ग में भी आप प्रिय रहेंगे तथा समयानुसार उनको हर प्रकार का सहयोग देने के लिए उद्यत रहेंगे। आप विशाल परिवार के स्वामी होंगे तथा जाति एवं वर्ग के इष्ट कार्य सम्पन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर एवं प्रयत्नशील रहेंगे और उसमें सफलता अर्जित करेंगे। इससे इन लोगों के मध्य आपका पूर्ण आदर तथा सम्मान रहेगा। इस प्रकार सर्वप्रकार के सद्गुणों से सुशोभित रहकर एवं उनका पालन करके आनन्दपूर्वक जीवन व्यतीत करेंगे।

भुवनविजययुक्तः सुन्दरः सच्चरित्रः।
स्थिरधन गुरुभक्तो मानिनी चित्तरक्तः।।
बहुजनपरिवारो ज्ञातिवर्गेष्ट कर्ता।
सकलगुणसमेतः कुम्भराशि र्मनुष्यः।।
जातक दीपिका

आपके गर्दन की लम्बाई सामान्य से अधिक दृष्टिगोचर होगी एवं शरीर की नसें भी स्पष्ट रूप से शरीर से बाहर दिखाई देंगी। महिलाओं से आपके सबंध मित्रतापूर्ण रहेंगे एवं उनसे पूर्ण आदर एवं सम्मान भी अर्जित करेंगे।

करभगलः शिरालुः खरलोमशदीर्घतनुः।
पृथुचरणोरूपृष्ठ जघनास्य कटिर्जरठः।।
परवनितार्थ पापनिरतः क्षयवृद्धियुतः।
प्रियकुसुमानुलेपन सुहृदघटजो ऴध्वसहः।।
वृहज्जातकम्

आप की प्रवृति दानशीलता की रहेगी तथा जीवन में समय समय पर आप अपनी इस प्रवृति का यथा शक्ति अवसरानुकूल प्रदर्शन करते रहेंगे। आप एक कृतज्ञ पुरुष होंगे तथा अन्य जनों के द्वारा उपकृत होने पर उनका उपकार अवश्य ही स्वीकार करेंगे एवं उनका हार्दिक आभार भी प्रकट करेंगे। आपकी इस कृतज्ञता की भावना से सभी लोग आपसे प्रसन्न रहेंगे। आप विविध प्रकार के वाहन साधनों से भी सुशोभित रहेंगे तथा सुखपूर्वक जीवन में इनका उपभोग करेंगे। आपकी आखें सुन्दर होंगी तथा बुद्धि में सरलता का भाव रहेगा तथा किसी भी प्रकार की धोखे या प्रपंच आदि की आपकी प्रवृति नहीं रहेगी। इस प्रकार अपने मृदु व्यवहार तथा सत्कर्मो से आप समाज के सभी वर्गों में लोकप्रिय रहेंगे तथा स्वबाहुबल धनार्जन करके प्रसन्नता पूर्वक जीवन व्यतीत करेंगे।

दातालसः कृतज्ञश्च गजवाजिधनैश्वरः।
शुभदृष्टिः सदासौम्यो धनविद्याकृतोद्यमः।।
पुण्याढ्यः स्नेहकीर्तिश्च धनभोगी स्वशक्तः।
शालूरकुक्षिर्निर्भीतः कुम्भे जातो भवेन्नरः।।
मानसागरी

मनुष्य गण में पैदा होने के कारण आप धार्मिक कार्य कलापों में रूचिशील रहेंगे तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में नित्य श्रद्धा का भाव विद्यमान रहेगा। कभी कभी आप में अभिमान का भाव भी उत्पन्न होगा एवं इसका आप प्रदर्शन करेंगे। आप के मन में दया एवं करूणा की भावना भी सर्वदा विद्यमान रहेगी। आप एक बलशाली पुरुष होंगे तथा स्वयं के बल से अपने अधिकांश कार्यों को सम्पन्न करेंगे। आप कई अन्य कार्य एवं कलाओं के भी ज्ञाता होंगे एवं निपुणतापूर्वक उनको करते रहेंगे। आप एक विद्वान पुरुष होंगे। आपके शरीर की कान्ति दर्शनीय रहेगी जिससे अन्य लोग आपसे आकर्षित भी रहेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य बहुत से लोग आपके द्वारा सुख को प्राप्त करेंगे।

समाज से आप हमेशा पूर्ण मान सम्मान प्राप्त करेंगे तथा धनवैभवादि से सर्वदा सम्पन्न रहेंगे। आपकी आखें बड़ी बड़ी होंगी एवं निशाने बाजी की कला में आप निपुण रहेंगे। साथ ही इस क्षेत्र में विशेष योग्यता तथा ख्याति भी अर्जित कर सकेंगे। आपका गौरवर्ण होगा एवं नगर वासियों पर आपका पूर्ण प्रभाव रहेगा अतः आप किसी नगर के प्रतिष्ठित या प्रभावशाली व्यक्ति होंगे।

देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् मनुष्य गण में उत्पन्न जातक ब्राह्मण तथा देवताओं का भक्त, अभिमानी, दयालु, बलवान, कला का ज्ञाता, विद्वान, कान्तियुक्त तथा बहुत से मनुष्यों को सुख तथा आश्रय प्रदान करने वाला होता है।

सिंह योनि में जन्म होने के कारण आपकी प्रवृति धार्मिक रहेगी एवं धार्मिक वृतियों का आप यत्नपूर्वक पालन करते रहेंगे। आपकी रूचि भी अच्छे कार्यों को करने की ओर अधिक रहेगी तथा यत्नपूर्वक इसके लिए आजीवन आप तत्पर रहेंगे। इस प्रकार अपने इन सत्कार्यों से आप समाज में सम्मान आदर तथा ख्याति अर्जित करेंगे। इसके साथ विभिन्न प्रकार के सद्गुणों से भी आप सुशोभित रहेंगे एवं इसके अनुपालन के लिए सर्वदा उद्यत रहेंगे। इसके साथ ही कुल एवं परिवार की चहुँमुखी उन्नति तथा समृद्धि करने के लिए आप अपना तन, मन, धन से सहयोग अर्पण करेंगे तथा इस कार्य में पूर्ण रूपेण सफल रहकर पारिवारिक जनों के प्रिय एवं सम्माननीय बनेंगे।

स्वधर्मे तु सदाचारसत्क्रियासद्गुणान्वितः।
कुटुम्बस्य समुद्धर्ता सिंहयोनिभवो नरः।।
मानसागरी

अर्थात् सिंहयोनि में उत्पन्न जातक अपने धर्म में सच्चा आचार-व्यवहार वाला, अच्छी क्रिया एवं अच्छे गुणों से सम्पन्न और परिवार का उद्धार करता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा सप्तम भाव में स्थित हैं। अतः माता के आप प्रिय रहेंगे तथा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। धन सम्पत्ति से वे सर्वदा युक्त रहेंगी एवं जीवन में आपको सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अपना सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगी। आपके विवाह कराने में वे मुख्य भूमिका निभाएंगी तथा व्यापार आदि कार्यों में भी आपको सहयोग प्रदान करेंगी।

आप भी उनके प्रति पूर्ण सम्मान प्रदर्शित करेंगे एवं उनकी सेवा तथा आज्ञा पालन करने के लिए नित्य तत्पर रहेंगे। आप के आपसी संबंध भी मधुर रहेंगे एवं परस्पर मतभेदों का भी अभाव रहेगा। साथ ही जीवन में उनको सर्वप्रकार का सहयोग भी प्रदान करने के लिए आप हमेशा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार आप एक दूसरे के लिए सामान्य रूप से शुभ ही रहेंगे।

आपके जन्म समय में सूर्य छठे भाव में स्थित है अतः पिता के आप प्रिय रहेंगे। उनका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आयु भी अच्छी होगी। धनैश्वर्य से वे सर्वदा युक्त रहेंगे एवं जीवन में समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। इसके साथ ही वे आपको शत्रुओं तथा अन्य सांसारिक कष्टों से नित्य सुरक्षित रखने के लिए भी तत्पर रहेंगे।

आप भी उनका हमेशा हार्दिक सम्मान करेंगे एवं नित्य उनकी आज्ञा पालन करने में भी तत्पर रहेंगे। आपके आपसी संबंध मधुर होंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे जिससे कुछ समय के लिए संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा परन्तु उसके बाद सब कुछ सामान्य एवं पूर्ववत् हो जाएगा। इसके साथ ही आप जीवन में उन्हें हमेशा वांछित आर्थिक तथा अन्य प्रकार की सहायता करते रहेंगे तथा अपनी ओर से उन्हें किसी भी प्रकार की कष्टानुभूति नहीं होने देंगे।

आपके जन्म समय में मंगल छठे भाव में है अतः भाईयों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा एवं समय समय पर वे शारीरिक रूप से अस्वस्थ रहेंगे। धन सम्पत्ति का उनके पास अभाव नही रहेगा एवं आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह एवं सम्मान का भाव रहेगा। जीवन में वे समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो तथा क्षेत्र में आपको अपना वांछित सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे एवं अपनी ओर से आपको किसी भी प्रकार से कष्ट नहीं होने देंगे। साथ ही शत्रुवर्ग से भी वे आपकी नित्य रक्षा करने में तत्पर रहेंगे।

आपके मन में भी उनके प्रति पूर्ण स्नेह का भाव रहेगा एवं हमेशा उनको अपना सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। आपकी आपसी संबंध मधुर रहेंगे तथा यदा कदा सामान्य रूप से मतभेद भी उत्पन्न होंगे जिससे संबंधों में क्षणिक तनाव की स्थिति रहेगी परन्तु कुछ समय के उपरान्त स्वतः ही सब कुछ ठीक हो जाएगा। इसके साथ ही आप सुख दुःख में उनकी वांछित आर्थिक तथा अन्य प्रकार से भी सहयोग देंगे एवं यत्नपूर्वक उनकी भलाई करने में तत्पर रहेंगे।

आप के लिए चैत्र मास, तृतीया, अष्टमी, त्रयोदशी तिथियां, आर्दा नक्षत्र, गण्डयोग, वणिजकरण, गुरुवार, तृतीय प्रहर तथा धनु राशिस्थ चन्द्रमा हमेशा अनिष्टकारी रहेंगे। अतः आप 15 मार्च से 14 अप्रैल के मध्य 3,8,13 तिथियों, आर्द्रा नक्षत्र, गण्डयोग तथा वणिजकरण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रयविक्रय आदि अन्य शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही गुरुवार, तृतीय प्रहर तथा धनु राशि के चन्द्रमा में भी शुभ कार्यो को वर्जित रखें। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा तथा स्वास्थ्य के प्रति भी सतर्क रहना चाहिए।

यदि आपके लिए समय ठीक नहीं चल रहा हो मानसिक चिन्ताएं, शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न हो रही हो तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट देव कुबेर की श्रद्धापूर्वक उपासना करनी चाहिए एवं शनिवार के नियमित रूप से उपवास रखने चाहिए। साथ ही सोना, नीलम, लोहा, पंचधातु, तिल, तेल, कम्बल आदि पदार्थो का किसी योग्य सुपात्र को दान देना चाहिए। इसके साथ ही शनि के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 19000 जप किसी योग्य विद्वान द्वारा सम्पन्न करवाने चाहिए। इससे आपकी मानसिक

चिन्ताएं तथा शारीरिक अवस्थता खत्म होगी एवं सर्वत्र शुभ फलों के प्रभाव में वृद्धि होगी। एवं अन्यत्र लाभमार्ग भी प्रशस्त होंगे।

ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।
मंत्र- ॐ ऐं ह्रीं श्रीं शनैश्चराय नमः।

Shree Shree 1008 Mahamandleshwar Paramhans Daati Maharaj
Shri Sidh Shakti Peeth Shanidham Trust
Shree Shani Tirth Kshetra Asola, Fatehpur Beri, Chhatterpur, New Delhi 110074

+919871964972, +91981539237, +919116141210, +919116141211
www.shanidham.org, www.facebook.com/shreeshanidham, www.daati.com
Saturnpublicatins@gmail.com